IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 1, September 2025
Impact Factor: 7.67

आधुनिक बिहार में उद्योग एवं व्यापार (1912-1947) : एक पुर्नअध्ययन

दयानंद कुमार यादव

स्नातकोत्तर इतिहास विभाग,

तिलका मांझी भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर

सार (Abstract)

प्रस्तुत अध्ययन 1912 से 1947 तक के कालखंड में बिहार के औद्योगिक एवं व्यापारिक विकास की समीक्षा करता है। यह अवधि बिहार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण थी क्योंकि 1912 में बिहार को बंगाल प्रेसीडेंसी से अलग करके एक स्वतंत्र प्रांत बनाया गया था। इस अवधि में टाटा आयरन एंड स्टील कंपनी (टिस्को) की स्थापना, रेलवे नेटवर्क का विस्तार, और कृषि आधारित उद्योगों का विकास हुआ। अनुसंधान का उद्देश्य इस काल में बिहार की आर्थिक संरचना, औद्योगिक नीतियों, और व्यापारिक गतिविधियों का विश्लेषण करना है। द्वितीयक स्रोतों के आधार पर किए गए इस अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि ब्रिटिश नीतियों ने बिहार को मुख्यतः कच्चे माल के उत्पादक और तैयार माल के उपभोक्ता के रूप में स्थापित किया। परंतु टिस्को की स्थापना ने भारत में आधुनिक इस्पात उद्योग की नींव रखी। अध्ययन से यह भी पता चलता है कि पारंपरिक हस्तशिल्प उद्योगों का ह्रास हुआ और नए औद्योगिक केंद्रों का विकास हुआ। निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि यह काल बिहार के आर्थिक इतिहास में एक संक्रमणकालीन दौर था जिसमें औपनिवेशिक शोषण के साथ-साथ आधुनिकीकरण की प्रक्रिया भी चली।

मुख्य शब्द: बिहार, औद्योगीकरण, व्यापार, टिस्को, ब्रिटिश राज, आर्थिक विकास, 1912-1947, डी-इंडस्ट्रियलाइजेशन

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in

DOI: 10.48175/IJARSCT-28948